The Asian Age

14 November, 2017

RESERVATION IN JOBS NOT GOOD: BODY

New Delhi, Nov. 13: Any move to introduce job reservation in the private sector will hit India's investment climate and political parties must avoid sending "wrong signals" to investors, Assocham said on Monday.

At a time when the economy is seeking positive triggers for growth revival, any political narrative on reservation in the private sector would bring in a big blow, it said. "Batting surely for affirmative action, India Inc is opposed to negate the perception advantage given by a jump in the World Bank Ease of Doing Business Index," the body added.

Assocham said the industry is already tackling the challenges from the roll out of the GST along with the short-term impact of demonetisation.

These comments come amid several political leaders advocating job reservations for SC/ST in the private sector.

The Lok Janshakti Party, led by Union minister Ram Vilas Paswan, recently demanded job reservations in private firms. *— PTI*

The Statesman | **14 November, 2017**

At a time when economy is seeking positive triggers for revival, any political narrative on reservation in private sector would bring in a big blow

ASSOCHAM SECRETARY GENERAL DS RAWAT

ON INCREASING DEMAND FOR JOB RESERVATIONS FOR SC/ST

Jansatta 14 November, 2017

निजी क्षेत्र में आरक्षण से निवेश माहौल पर होगा बुरा असर: एसोचैम

नई दिल्ली, 13 नवंबर (भाषा)।

निजी क्षेत्र में आरक्षण की किसी भी पहल से देश के निवेश माहौल पर बुरा असर पड़ेगा। राजनीतिक दलों को ऐसा कोई भी कदम उठाने से बचना चाहिये जिससे कि निवेशकों को गलत संकेत जाए। उद्योग जगत की अग्रणी संस्था एसोचैम ने यह कहा है। एसोचैम ने कहा कि ऐसे समय में जब भारत की अर्थव्यवस्था सुधार की ओर बढ़ रही है, निजी क्षेत्र में आरक्षण को लेकर दिया गया कोई भी राजनीतिक बयान आर्थिक क्षेत्र में निवेश परिवेश के लिए बड़ा झटका हो सकता है। उद्योग मंडल ने हालांकि, इस दिशा में सकारात्मक पहल पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक की कारोबार सुगमता रैंकिग में भारत ने जो छलांग लगाई है, उससे मिलने वाले फायदे को उद्योग जगत गंवाने के पक्ष में नहीं है।

एसोचैम ने कहा कि उद्योग पहले से ही नोटबंदी के अल्पकालिक प्रभाव के साथ माल व सेवा कर (जीएसटी) की चुनौतियों से जूझ रहा है। एसोचैम की यह टिप्पणी कुछ राजनेताओं के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने निजी क्षेत्र की नौकरियों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) के लिए आरक्षण की वकालत की है।

हाल ही में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता और केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री राम विलास पासवान ने निजी क्षेत्र की कंपनियों में नौकरियों में आरक्षण की मांग की थी।

निजी क्षेत्र में आरक्षण के खिलाफ है देश का उद्योग जगत

■ नई दिल्ली (भाषा)।

निजी क्षेत्र में आरक्षण की किसी भी पहल से देश के निवेश माहौल पर बुरा असर पड़ेगा। राजनीतिक दलों को ऐसा कोई भी कदम उठाने से बचना चाहिए जिससे कि निवेशकों को गलत संकेत जाए।

उद्योग संगठन एसोचैम ने कहा कि ऐसे समय में जब भारत की अर्थव्यवस्था सुधार की ओर बढ़ रही है, निजी क्षेत्र में आरक्षण को लेकर दिया गया कोई भी राजनीतिक बयान आर्थिक क्षेत्र में निवेश परिवेश के लिए बड़ा झटका हो सकता है। उद्योग मंडल ने हालांकि, इस दिशा में सकारात्मक पहल पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक की कारोबार सुगमता रैंकिंग में भारत ने जो छलांग लगाई है उससे मिलने वाले फायदे को उद्योग जगत गंवाने के पक्ष में नहीं है।

एसोचैम ने कहा कि उद्योग पहले से ही नोटबंदी के अल्पकालिक प्रभाव के साथ माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की चुनौतियों से जूझ रहा है। एसोचैम की यह टिप्पणी कुछ राजनेताओं के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने निजी क्षेत्र की नौकरियों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससीएसटी) के लिए आरक्षण की वकालत की है।

■ इससे देश में निवेश के माहौल पर पड़ेगा बुरा असर : एसोचैम
■ सुधार के रास्ते पर आगे बढ़ रही इकोनामी को लगेगा झटका
■ कारोबार सुगमता रैंकिंग में लगी छलांग का नहीं मिलेगा लाभ
■ नोटबंदी के प्रभाव व जीएसटी की चुनौतियों से जूझ रहा है देश
■ ऐसे में आरक्षण को लेकर कोई भी बयान सुधार की राह में बनेगा बाधक

हाल ही में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता और केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री राम विलास पासवान ने निजी क्षेत्र की कंपनियों में नौकरियों में आरक्षण की मांग की थी। इसी तरह की मांग कुछ और दलों के नेताओं की ओर से भी की गई।

एसोचैम के महासचिव डीएस रावत ने कहा कि राजनीतिक दलों को इसके बजाय ऐसा वातावरण बनाने पर ध्यान देना चाहिए जिसमें सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में लाखों नौकरियां सृजित की जा सकें। उन्होंने राजनीतिक दलों से वैश्विक और घरेलू निवेशकों को गलत संकेत भेजने से बचने का आग्रह किया है।

उन्होंने आगे कहा, 'यदि देश की राजनीतिक अर्थव्यवस्था में यदि लोकलुभावन भावनाओं को हवा दी जाती है तो इसका वृद्धि परिवेश पर बुरा असर पड़ेगा।'

Virat Vaibhav

14 November, 2017

आरक्षण राजनीतिक दलों को ऐसा कोई भी कदम उठाने से बचना चाहिए : एसोचैम

निजी क्षेत्र में आरक्षण से निवेश-माहौल बिगड़ेगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

निजी क्षेत्र में आरक्षण की किसी भी पहल से देश के निवेश माहौल पर बुरा असर पड़ेगा। राजनीतिक दलों को ऐसा कोई भी कदम उठाने से बचना चाहिए जिससे कि निवेशकों को गलत संकेत जाए। उद्योग जगत की अग्रणी संस्था एसोचैम ने यह कहा है। एसोचैम ने कहा कि ऐसे समय में जब भारत की अर्थव्यवस्था सुधार की ओर बढ़ रही है, निजी क्षेत्र में आरक्षण को लेकर दिया गया कोई भी राजनीतिक बयान आर्थिक क्षेत्र में निवेश परिवेश के लिए बड़ा झटका हो सकता है। उद्योग मंडल ने हालांकि, इस दिशा में सकारात्मक पहल पर जोर दिया है।

निजी क्षेत्र में आरक्षण को लेकर दिया गया कोई भी राजनीतिक बयान आर्थिक क्षेत्र में निवेश परिवेश के लिए बड़ा झटका हो सकता है।

उन्होंने कहा कि विश्व बैंक की कारोबार सुगमता रैंकिंग में भारत ने जो छलांग लगाई है उससे मिलने वाले फायदे को उद्योग जगत गंवाने के पक्ष में नहीं है। एसोचैम ने कहा कि उद्योग पहले से ही नोटबंदी के अल्पकालिक प्रभाव के साथ माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की चुनौतियों से जूझा रहा है। एसोचैम की यह टिप्पणी कुछ राजनेताओं के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने निजी क्षेत्र की नौकरियों में अनुसूचित जातिअनुसूचित जनजाति (एससीएसटी) के लिए आरक्षण की वकालत की है। हाल ही में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता और केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री राम विलास पासवान ने निजी क्षेत्र की कंपनियों में नौकरियों में आरक्षण की मांग की थी। इसी तरह की मांग कुछ और दलों के नेताओं की ओर से भी की गई। एसोचैम के महासचिव डी एस रावत ने कहा कि राजनीतिक दलों को इसके बजाय ऐसा वातावरण बनाने पर ध्यान देना चाहिए जिसमें सार्वनजिक और निजी क्षेत्रों में लाखों नौकरियां सृजित की जा सकें। उन्होंने राजनीतिक दलों से वैश्विक और घरेलू निवेशकों को गलत संकेत भेजने से बचने का आग्रह किया है। उन्होंने आगे कहा, यदि देश की राजनीतिक अर्थव्यवस्था में यदि लोकलुभावन भावनाओं को हवा दी जाती है तो इसका वृद्धि परिवेश पर बुरा असर पड़ेगा।

Vir Arjun

14 November, 2017

निजी क्षेत्र में आरक्षण से निवेश माहौल पर होगा बुरा असर : एसोचैम

नई दिल्ली, (भाषा)। निजी क्षेत्र में आरक्षण की किसी भी पहल से देश के निवेश माहौल पर बुरा असर पड़ेगा। राजनीतिक दलों को ऐसा कोई भी कदम उठाने से बचना चाहिये जिससे कि निवेशकों को गलत संकेत जाये। उद्योग जगत की अग्रणी संस्था एसोचैम ने यह कहा है। एसोचैम ने कहा कि ऐसे समय में जब भारत की अर्थव्यवस्था सुधार की ओर बढ़ रही है, निजी क्षेत्र में आरक्षण को लेकर दिया गया कोई भी राजनीतिक बयान आर्थिक क्षेत्र में निवेश परिवेश के लिये बड़ा झटका हो सकता है। उद्योग मंडल ने हालांकि, इस दिशा में सकारात्मक पहल पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक की कारोबार सुगमता रैंकिंग में भारत ने जो छलांग लगाई है उससे मिलने वाले फायदे को उद्योग जगत गंवाने के पक्ष में नहीं है। एसोचैम ने कहा कि उद्योग पहले से ही नोटबंदी के अल्पकालिक प्रभाव के साथ माल एवं सेवा कर ा जीएसटी ा की चुनौतियों से जूझ रहा है। एसोचैम की यह टिप्पणी कुछ राजनेताओं के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने निजी क्षेत्र की नौकरियों में अनुसूचित जातिअनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण की वकालत की है। हाल ही में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता और केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री राम विलास पासवान ने निजी क्षेत्र की कंपनियों में नौकरियों में आरक्षण की मांग की थी। इसी तरह की मांग कुछ और दलों के नेताओं की ओर से भी की गई। एसोचैम के महासचिव डी एस रावत ने कहा कि राजनीतिक दलों को इसके बजाय ऐसा वातावरण बनाने पर ध्यान देना चाहिए जिसमें सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में लाखों नौकरियां सृजित की जा सकें।